SHRI AKBAR ALI KHAN: I wante-i *to* ask the same question, Sir.

"रहस्यमय रोग" पर अनुसंधान

३७४. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या पूना की विषाणु-अनुसंधान शाला ने "रहस्यमय रोग" पर कोई अनुसंधान किया है; यदि हां, तो उस का पूर्ण विवरण क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस अनुसंधान के परिणामों की प्रमाणिकता की जांच कराई है; और

(ग) यदि अनुसन्धान के परिणाम प्रामाणिक हैं, तो इस रोग की रोक थाम के लिये उस का किस प्रकार प्रयोग किया जा सकता है ?

†[RESEARCH ON 'MYSTERY DISEASE'

*374. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for HEALTH be pleased to state:

(a) whether the Virus Research Centre at Poona has conducted any research on the 'Mystery Disease'; if so, what are the particulars of the same:

(b) whether Government have since caused the authenticity of these findings to be examined; and

(c) if the findings of the research are authentic, what is the use that can be made of the research in check ing the spread of this disease?]

स्वास्थ्य उपमंत्री (श्रीमती एम० चन्द्रशेखर) : (क), (ख) और (ग). जी हां । इस केन्द्र ने रोगियों के मल से अनेक विरसेज का पता लगाया है और विशेष जानकारों का एक दल इस बीमारी के कारणों की खोज कर रहा है ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR HEALTH (SHRIMATI M. CHANDRASEKHAR): (a), (b) and (c). Yes. Several strains of viruses from the stools of infected cases have been isolated by the Centre. Investigations into the cause of the disease by a team of experts are still in progress.]

†English Translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : अब तक क्या खोज हुई है ?

SHRIMATI M. CHANDRASEKHAR: This is a virus on which research is being conducted. It takes a long time. First, they thought that it may be due to mosquito, that the virus in mosquito was a causative organism. Now they have verified that it is not so. They are proceeding with the examination of stools and other things of patients. They have not finalised the conclusion. It is yet to be decided.

श्री ब० कि० प्र० सिंह : यह "रहस्यमय रोग" है क्या ? उस के लक्षण क्या हैं ?

MR. CHAIRMAN: Be chivalrous. Mr. Sinha.

SHRI B. K. P. SINHA: What is this 'mysterious' disease? What are its symptoms?

. SHRIMATI M. CHANDRASEKHAR: Because it is mysterious, it is called a "mystery disease". I do not think that I will be able to give an explanation.

SHRI V. G. GOPAL: Have they been able to find out the cause of the virus carrying encephalitis which was so prevalent in various cities in north India?

SHRIMATI M. CHANDRASEKHAR Not properly indentified.

*375. [The *questioner (Shri Krishna-kant Vyas) was absent. For answer*, vide *cols.* 2730-31 infra.]

RISE IN PRICE OF WHEAT

*376. SHRI D. NARAYAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that wheat is being sold in Delhi and other cities at the rate of Rs. 17 to Rs. 18 a maund instead of at

Rs. 14/8; and

(b) if so, what steps are being taken by Government to see that the public get wheat at the rate of Rs. 14/8 a maund?

THE DEPUTY MINISTER FOR FOOD AND AGRICULTURE (SHRI M. V. KRISHNAPPA) : (a) Government are aware that prices of wheat in Delhi and certain other cities have risen, but during this fag end of the wheat crop season, there is always a seasonal rise in prices.

(b) To meet the situation, Government have started sale of wheat from their godowns in Calcutta, Madras, Bombay, Delhi etc. @ Rs. 14 per maund inclusive of the cost of gunny. The Government of Uttar Pradesh are selling Central stocks of wheat made available to them in their five principal towns, namely, Kanpur, Allahabad, Banaras, Agra and Lucknow. Similarly, the Madhya Bharat Government have arranged sale of wheat in their three principal towns of Indore, Gwalior and Ujjain. The Punjab Government are also selling wheat in that State through fair price shops. These measures have helped in checking the rise in prices.

श्री देवकीनन्दन : क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूं कि रीटेल दुकानें भी इस के लिये खोली जा रही हैं ।

श्री अजित प्रसाद जैन : रीटेल दुकानें तो नहीं खोली जा रही है । पंजाब में तो फेयर प्राइस शौप्स के जरिये से बेचा गया । वैसे तो जो गवर्नमेंट के डिपोज हैं, उन से एक निश्चित मात्रा में व्यापारियों को बेचा जाता है ।

श्री देवकीनन्दन : जिन व्यापारियों को बेचा जाता है उन के ऊपर क्या ऐसी कोई कंडीशंन लगायी जाती है कि वे साढ़े चौदह रुपये मन ही बेचें, ज्यादा में न बेचें, अगर वे ज्यादा में बेचते हैं तो गवर्नमेंट उस को रोकने की क्या तरकीब कर रही है ?

श्री अजित प्रसाद जैन : हमारे पास ऐसी कोई मशीनरी नहीं है जिस से हम इस बात की जांच पड़ताल कर सकें कि उन्हों ने साढ़े चौदह के भाव पर बेचा या ज्यादा पर, और न उस के लिये हमारे पास कोई कानून है । लेकिन हम गवर्नमेंट डिपोज के जरिये इतना गल्ला बेच देते हैं कि उस के दाम नीचे आ जाते हैं और उन को कम मौका मिलता है कि ज्यादा दामों पर उस को बेच सकें ।

DR. P. C. MITRA: May I know it what rate wheat is being sold in Bihar?

SHRI A. P. JAIN: So far as releases from Government stocks are concerned, they are at the uniform rate of Rs. 14 per maund.

DR. SHRIMATI SEETA PARMA-NAND: May I know what steps have been taken to bring it to the notice of the consumers that wheat is being released by Government at Rs. 14 per maund? How are they expected to take advantage of this?

SHRI A. P. JAIN: Press notes have been issued and the practice is very well known.

SHRI V. G. GOPAL: Does the hon. Minister know that in Jamshedpur, Government wheat is not at all available and it is only from private sources that wheat is available at Rs. 17 and more per maund?

SHRI A. P. JAIN: That is not a fact. Jamshedpur is one of the cities where Government is releasing wheat.

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को मालूम है कि गेहूं की कीमतों में तेजी आने के साथ साथ मोटा अनाज भी तेज हो गया है और देहात के गरीब आदमियों को वह नहीं मिल रहा है ? इस की सरकार क्या व्यवस्था कर रही है ?

SHRI M. V. KRISHNAPPA: It is because of shortage of coarse grains that the price of wheat is going up

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को मालूम है कि गेहूं खाने वालों से कोर्स ग्रेन खाने वालों की संख्या अधिक है ? उन लोगों को कोर्स ग्रेन देने के लिये सरकार क्या व्यवस्था कर रही है ?

श्री एम० वी० कृष्णप्पा : कोर्स ग्रेन खाने वालों को ज्यादा पैसा मिलेगा तो गेहूं खा सकते हैं, उन को ज्यादा पैसा नहीं मिलेगा तो वे कोर्स ग्रेन खायेंगे।

सरदार रघुबीर सिंह पंजहजारी : क्या सरकार को मालूम है कि पंजाब और पैप्सू में शहरों में ही रीटेल शौप्स हैं और देहातों में वहां पर १८रु० से २०रु० प्रति मन के हिसाब से गेहूं बिका है। तो देहातों के लिये सरकार क्या इंतजाम कर रही है ?

श्री एम० वी० कृष्णप्पा : पंजाब और पैप्सू में हम गवर्नमेंट स्टाक रिलीज कर रहे हैं। पंजाब में इधर जो रेट्स हैं वे हमारे पास हैं. . . . . .

सरदार रघबीर सिंह पंजहजारी : मेरा क्वेश्चयन यह था कि शहरों में तो रीटेल्स शौप्स हैं लेकिन देहातों में कोई रीटेल शाप नहीं है।

श्री अजित प्रसाद जैन : हां, यह ठीक है कि देहात के अन्दर रीटेल शाप्स नहीं हैं। लेकिन आनरेबल मेम्बर जो यह बता रहे हैं कि इतनी कीमत बढ़ी वह उतनी नहीं बढ़ी है देहातों के अन्दर ।

SHRI P. S. RAJAGOPAL NAIDU: Government might*Telease stock at Rs. 14 per maund, but is the Government satisfied that the consumer is getting it at the minimum price of Rs. 14?

SHRI A. P. JAIN: We are quite confident that the increase in wheat prices has been substantially arrested.

प्रकाशस्तम्भ-विभाग के लिये विदेशी टेक्निकल जानकार

***३७७. श्री नवाब सिंह चौहान**: क्या परिवहन मंत्री २३ नवम्बर, १९५५ को दिये गये, अतारांकित प्रश्न संख्या ३९ के उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रकाशस्तम्भ-विभाग की विकास योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिये संयुक्त-राष्ट्र-टेक्निकल सहायता-कार्यक्रम के अन्तर्गत जिस टेक्निकल जानकार की सेवायें प्राप्त की गई हैं, वह कौन हैं; और

(ख) उन की सेवायें किन शर्तों पर प्राप्त की गयी हैं ?

FOREIGN TECHNICIAN FOR THE LIGHTHOUSE DEPARTMENT

*377. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for TRANSPORT be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question-No. 39 on the 23rd November 1955 and state:

(a) who is the technician whose-servises have been obtained under the United Nations Technical Assistance Programme for implementing. the development plans of the Lighthouse department; and

(b) the terms on which his services-have been obtained?

रेल तथा परिवहन उप मंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन) : (क) प्रकाश स्तम्भ-विभाग के लिये संयुक्त-राष्ट्र-टेक्निकल सहायता कार्य-क्रम के अन्तर्गत दो विदेशी टैक्निशियन्स फ्रांस के सर्वश्री एम० डाइमिन्सकी और डेन्मार्क के वी० हन्सैन की सेवायें प्राप्त कर ली गई हैं।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

१. विशेषज्ञों को यदि निवास स्थान की सुविधा नहीं दी गई तो २५ रुपये प्रति दिन के हिसाब से मिलेंगे, और यदि यह सुविधा दी गई तो ५ रुपये प्रति दिन के हिसाब से दिया जायेगा ।

†English translation.